Class - ix

Subject - 2nd Language Hindi

Chapter - बात अठन्नी की

Answer key

प्र.1

(क)उत्तर. दोनों शब्दों का प्रयोग 'रसीला' एवं 'रमजान' के लिए किया गया है। रसीला एक सीधा - सादा आदमी है जो कि एक शहर में रहते हुए अपने मालिक बाबू जगतसिंह जो कि पेशे से इंजीनियर है, उनके घर में एक घरेलू नौकर की हैसियत से काम करता है।

रमजान एक सहृदय व्यक्ति है। वह इंजीनियर जगतसिंह के पड़ोस में ही रहता है। उसके मालिक शेख सलीमुद्दीन हैं, जो कि पेशे से मजिस्ट्रेट हैं। रमजान उनके यहां चौकीदार है। रमजान और रसीला इस प्रकार पड़ोसी भी है और उन दोनों में गहरी मित्रता भी हैं।

(ख)उत्तर. रसीला की उदासी का कारण बच्चों की बीमारी थी। गांव से उसके घर से खत आया था जिसमें उसके बच्चे के बीमार होने की बात लिखी थी। रसीला के पास उनका इलाज करवाने के लिए पैसे नहीं थे। उसने अपने मालिक इंजीनियर साहब से पेशगी मांगी थी पर उन्होंने देने से साफ इनकार कर दिया था इसलिए वह उदास था।

(ग)उत्तर . रमजान के बहुत पूछने पर रसीला ने रमजान को अपने बच्चों की बीमारी के बारे में बताया। यह सुनकर रमजान ने उसे सलाह दी कि वह अपने मालिक से पेशगी मांग ले जिससे कि वह अपने बच्चों का इलाज करवा सके। रसीला ने रमजान को बताया कि उसके मालिक ने उसे पेशगी देने से साफ इनकार कर दिया है।

रसीला की यह समस्या सुनकर रमजान का दिल पसीज गया। उसने कुछ रुपए अपनी कोठरी से लाकर रसीला के हाथ में रख दिए। इस प्रकार बुरे वक्त में रमजान ने रसीला की मदद की।

(घ)उत्तर. हां रसीला की परेशानी में उसके मित्र ने उसकी मदद की थी। जब इंजीनियर बाबू ने उसे पेशगी देने से इनकार करते हैं तब रसीला अपनी थोड़ी सी जमा पूंजी मैं से कुछ रुपए देकर उसने रसीला की सहायता की थी।

रसीला एवं रमजान दोनों ही सच्चे मित्र थे। दोनों फुर्सत के पलों में घंटो साथ बैठते और बातें करते और यही अच्छी दोस्ती की पहचान थी।दोनों ही एक दूसरे के सुख- दुख के साथी थे। रसीला के कठिन समय में जब उसके मालिक ने उसकी सहायता नहीं की जबकि रमजान ने स्वयं गरीब होते हुए भी परेशानी में उसका साथ दिया। इससे यह सिद्ध होता है कि रसीला और रमजान की दोस्ती सच्ची थी और यही सच्ची दोस्ती की पहचान होती है।

प्र 2.

(क) उत्तर .रसीला एक गरीब व्यक्ति है। जो शहर में रहते हुए इंजीनियर बाबू जगत सिंह के घर में एक घरेलू नौकर का काम करता है।

वह एक ईमानदार, सीधा-सादा, कर्तव्यनिष्ठ, सरल तथा संकोची स्वभाव का व्यक्ति है। उसके कंधों पर उसके पूरे परिवार का भार है जो कि गांव में रहता है।वहां उसके बूढ़े पिता , पत्नी, एक लड़की और दो लड़के हैं ।रसीला को दस रुपए प्रतिमाह वेतन मिलता है ।कम वेतन मिलने पर भी वह नौकरी छोड़ कर कहीं और नहीं जा पाता उसे लगता है कि वहां नौकरी छोड़ कर कहीं दूसरी जगह नौकरी करेगा तो शायद उसे वहां इतना आदर नहीं मिलेगा।

(ख) उत्तर.एक दिन की बात है। बाबू जगत सिंह किसी से कमरे में बात कर रहे थे। रसीला ने सुना, इंजीनियर बाबू कह रहे हैं, "बस पांच सौ! इतनी- सी रकम देकर, आप मेरा अपमान कर रहे हैं।"

"हुजूर मान जाइए।आप समझें आपने मेरा काम मुफ़्त किया है।"जब रसीला ने यह सब सुना तो वह समझ गया कि भीतर रिश्वत ली जा रही है ।

(ग)उत्तर . जब रसीला ने अपने मालिक बाबू जगत सिंह को रिश्वत लेते हुए देखा तब वह सोचने लगा रुपए कमाने का कितना आसान तरीका है।उसे रुपए कमाने के लिए सारा दिन मजदूरी करनी पड़ती है तब महीने भर बाद उसे दस रुपए मिलते हैं।

(घ) उत्तर जब रसीला ने रिश्वत लेने की घटना रमजान को सुनाया ।रमजान ने सारी बात सुनकर उससे कहा बस इतनी सी बात! हमारे शेख साहब तो उनके भी गुरु हैं। आज भी एक शिकार फंसा है। हजार से कम में तय ना होगा।और रसीला को समझाते हुए कहने लगे गुनाह का फल मिलेगा या नहीं यह तो भगवान जाने पर ऐसे ही कमाई से यह लोग बड़ी कोठियों में रहते हैं और हम हैं कि सारा दिन परिश्रम करने पर भी हमारे हाथ मैं कुछ नहीं रहता।